# पत्रकारिता जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

# और

# एम.ए. में पत्रकारिता और जनसंचार

## (पी.जी.जे.एम.सी. / एम.ए.जे.एम.सी. - प्रथम वर्ष)

## असाइनमेंट

## जनवरी 2025 और जुलाई 2025 चक्र

**एमजेएम-020/120**

**एमजेएम-021**

**एमजेएम-022**

**एमजेएम-023**

**एमजेएम-024/124**

**एमजेएम-025**

**पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यालय**

**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय**

**मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068**

# पी.जी.जे.एम.सी./एम.ए.जे.एम.सी. असाइनमेंट

**प्रिय शिक्षार्थी,**

जैसा कि प्रोग्राम गाइड में बताया गया है, आपको सभी पाठ्यक्रमों में से प्रत्येक में एक असाइनमेंट जमा करना होगा। असाइनमेंट बनाने से पहले, कृपया प्रोग्राम गाइड में दिए गए विस्तृत निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

प्रत्येक असाइनमेंट के सामने जमा करने की **अंतिम तिथि** दी गई है। कृपया ध्यान दें कि आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए निर्धारित समय के भीतर अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को ये उरोक्त सभी असाइनमेंट जमा करने होंगे।

आपको असाइनमेंट के पहले पृष्ठ पर अपना **नामांकन नंबर, नाम, पता, असाइनमेंट कोड और अध्ययन केंद्र कोड** का उल्लेख करना होगा। आपको जमा किए गए असाइनमेंट के लिए अध्ययन केंद्र से **रसीद प्राप्त** करनी होगी और उसे संभाल कर रखना होगा। असाइनमेंट की एक फोटोकॉपी प्रमाण के तौर पर अपने पास रखना अनिवार्य होगा।

मूल्यांकन के बाद, असाइनमेंट आपको अध्ययन केंद्र द्वारा वापस करने का प्रावधान हैं। कृपया इस पर जोर दें और अपने पास रिकॉर्ड रखें। आपके द्वारा प्राप्त किए गए अंक केंद्र द्वारा इग्नू, नई दिल्ली में एस.ई.डी. (SED) को भेजे जाएंगे।

**असाइनमेंट करने के लिए दिशा-निर्देश**

प्रत्येक असाइनमेंट में दिए गए सभी प्रश्नों को निर्देशानुसार हल करें। असाइनमेंट बनाते समय आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना होगा:

**योजना:** सबसे पहले अध्ययन सामग्री को ध्यान से पढ़ें। कार्यक्रम के लिए आयोजित टेलीकांफ्रेंसिंग सत्र और इंटरैक्टिव रेडियो परामर्श सत्रों में भाग लें। यदि आवश्यक हो तो आप अध्ययन केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र से विवरण भी प्राप्त कर सकते हैं और फिर असाइनमेंट को ध्यान से पढ़ें। जिन इकाइयों पर वे आधारित हैं, उन्हें देखें। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें।

**संगठन:** अपने उत्तर की एक रूपरेखा बनाएँ। अपने उत्तर के लिए जानकारी के चयन में विश्लेषणात्मक रहें। परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि असाइनमेंट के:

- तार्किक और सुसंगत हो;
- वाक्यों और पैराग्राफ में जानकारी का उचित प्रवाह हो; और
- आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त विचार करते हुए सही ढंग से लिखा गया हो।

प्रस्तुति: एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाते हैं, तो आप प्रत्येक उत्तर को साफ-सुथरा लिखते हुए, जमा करने के लिए अंतिम संस्करण लिख सकते हैं।

शुभकामनाओं के साथ,

**डॉ. शिखा राय**

**कार्यक्रम समन्वयक,**

**पी.जी.जे.एम.सी. एवं एम.ए.जे.एम.सी.-I**

shikharai@ignou.ac.in

# MJM-021: रिपोर्टिंग तकनीक

## असाइनमेंट 02

## (अंतिम तिथि: कृपया अंतिम तिथि पर नवीनतम अपडेट के लिए वेबसाइट देखें)

**असाइनमेंट कोड: MJM-021/ जनवरी 2025/ जुलाई 2025 चक्र**

अधिकतम अंक: 100

वेटेज: 30%

---

***नोट:*** *(i) सभी प्रश्नों के उत्तर दें/ सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं = प्रत्येक 20*

*(ii) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए|*

---

1. AI-जनरेटेड कंटेंट के अधिक प्रचलित होने के साथ, भारत में पत्रकारिता प्रथाओं पर इसके प्रभाव का विश्लेषण करें। AI-संचालित मीडिया परिदृश्य में विश्वसनीयता बनाए रखने में समाचार संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चिंताओं, संभावित लाभों और चुनौतियों पर चर्चा करें। कंटेंट जनरेशन या तथ्य-जांच के लिए AI का उपयोग करने वाले भारतीय मीडिया के उदाहरण शामिल करें।

2. खेल रिपोर्टिंग में मैच फिक्सिंग, भ्रष्टाचार, डोपिंग और शासन के मुद्दों पर खोजी पत्रकारिता भी शामिल है। एक हालिया मामले की जाँच करें जहाँ खोजी खेल पत्रकारिता ने एक बड़े घोटाले को उजागर किया। खेल निकायों को जवाबदेह ठहराने में पत्रकारों की भूमिका और ऐसी रिपोर्टिंग में शामिल जोखिमों पर चर्चा करें।

3. अगले तीन दिनों में, इंस्टाग्राम या एक्स पर ट्रेंडिंग फ़ैशन हैशटैग को ट्रैक करें। कम से कम तीन प्रभावशाली लोगों या ब्रांडों की पहचान करें जो इस ट्रेंड को आगे बढ़ा रहे हैं। विश्लेषण करें कि वे अपनी सामग्री कैसे प्रस्तुत करते हैं। इस बारे में एक छोटी रिपोर्ट बनाएँ कि सोशल मीडिया फैशन में उपभोक्ता विकल्पों को कैसे आकार दे रहा है, स्क्रीनशॉट या आपके निष्कर्षों के विवरण द्वारा समर्थित।

4. हाल ही की एक घटना का चयन करें जहाँ मीडिया कवरेज ने भारत में धार्मिक तनाव को बढ़ावा दिया हो या कम किया हो। जाँच करें कि विभिन्न मीडिया संस्थान इस मुद्दे पर कैसे पहुँचे, आख्यानों को आकार देने में सोशल मीडिया की भूमिका और ऐसी स्थितियों में पत्रकारों की नैतिक जिम्मेदारियों की चर्चा कीजिए।

5. नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम या हॉटस्टार जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर किसी भारतीय वेब सीरीज़ के दो एपिसोड देखें। तुलना करें कि कहानी कहने का तरीका, चरित्र चित्रण और प्रोडक्शन क्वालिटी पारंपरिक बॉलीवुड फ़िल्मों या टीवी धारावाहिकों से कैसे अलग है। इसके अलावा, कम से कम एक नियमित OTT दर्शक से बात करें ताकि यह समझ सकें कि उनकी देखने की आदतें कैसे बदल गई हैं।